K-251

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य(Assignment Work)सत्र –जुलाई–जुन 2024–25

एम.ए. प्रथम वर्ष छत्तीसगढो

विषय –छत्तीसगढ़ी का इतिहास **प्रश्न–पत्रः प्रथम**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 10**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

सत्रीय कार्य–1

खण्ड अ– अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब –अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

सत्रीय कार्य–2

खण्ड स –लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

सत्रीय कार्य–3

खण्ड द –अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

सत्रीय कार्य–4

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

सत्रीय कार्य– 1

(Assignment—1)

खण्ड—अ

1. किसने कहा कि इस क्षेत्र का मूल नाम छत्तीसघर था ?
2. वर्तमान में छत्तीसगढ़ में कितने जिले हैं ?
3. ' खूब तमाशा ' किसकी रचना हैं ?
4. डॉ. नरेन्द्र देव वर्मा ने छत्तीसगढ़ी साहित्य को कितने भागों में विभाजित किया ?
5. शेक्सपियर के नाटक 'कामेडी ऑफ एरर्रस' का ' पुरू–झूरू ' नाम से छत्तीसगढ़ी अनुवाद किसने किया ?
6. बॉसगीत छत्तीसगढ़ की किस जाति द्वारा गायी जाती हैं ?
7. संत धर्मदास का जन्म कब हुआ ?
8. ' छत्तीसगढ़ी दानलीला ' किसकी रचना हैं ?

खण्ड—ब

9. भालचंद्र राव तैलंग का छत्तीसगढ़ी का बोली–रूप निर्धारण लिखिए।
10. लोकगाथा किसे कहते हैं ?
11. लोककथा की परिभाषा लिखिए।
12.गुरू घासीदास के संदेश लिखिए।
13. पण्डित मुकटधर पाण्डेय जी की कोई पॉच रचनाएँ लिखिए।
14. पवन दीवान का परिचय लिखिए।

सत्रीय कार्य– 2

(Assignment—2)

खण्ड—स

15. द्वारिका प्रसाद तिवारी की साहित्यिक विशेषताएँ लिखिए।
16. लोचन प्रसाद पाण्डेय का सांहित्यिक योगदान लिखिए।
17. पण्डित सुन्दरलाल शर्मा जी का जीवन–परिचय दीजिए।
18. छत्तीसगढ़ की व्रत संबंधी लोक–कथाओं का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

सत्रीय कार्य– 3

(Assignment—3)

खण्ड—द

19. छत्तीसगढ़ी के विविध रूपों का उल्लेख कीजिए।
20. छत्तीसगढ़ी साहित्य के प्रथम उन्मेष काल को समझाइए।
21. हरि ठाकुर की कविताओं में ' जन–जागरण ' को उदाहरण सहित लिखिए।
22. श्री दानेश्वर शर्मा के काव्य में गॉधी–चेतना स्पष्ट कीजिए।

सत्रीय कार्य– 4

(Assignment—4)

खण्ड—इ

23. छत्तीसगढ़ी साहित्य की प्रमुख विधाओं का सविस्तार परिचय दीजिए।
24. ' संत धर्मदास के पदों में सन्त काव्य की प्रवृत्तियॉ अभिव्यन्त हुई हैं। इस कथन को उदाहरण सहित समझाइए।'

आवश्यक निर्देश :–

1. सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 28 फरवरी 2025 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।
2. छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।
3. सत्रांत परीक्षा सत्र जुन–जुलाई 2024–25 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जुन–जुलाई 2024–25 जैसा ही रहेगा।
4. सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।

K-252

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य(Assignment Work)सत्र – जुलाई–जुन 2024–25

एम.ए. प्रथम वर्ष छत्तीसगढ़ी

विषय –छत्तीसगढ़ी का भाषा विज्ञान **प्रश्न–पत्रः द्वितीय**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 10**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश

सत्रीय कार्य–1

खण्ड अ– अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब –अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

सत्रीय कार्य–2

खण्ड स –लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

सत्रीय कार्य–3

खण्ड द –अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

सत्रीय कार्य–4

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

सत्रीय कार्य– 1

(Assignment—1)

खण्ड—अ

1. यह किस इतिहासकार ने कहा कि 'आर्यों के बाहर से भारत में आने की कहानी सर्वथा कपोल– कल्पित है।' ?
2. ' छत्तीसगढ़ी भाषा का उद्‌विकास ' किसकी रचना है ?
3. छत्तीसगढ़ी किस अपभ्रंश से विकसित है ?
4. उत्तरी छत्तीसगढ़ी के अंतर्गत कौन–सी बोली आती है ?
5. ' टूरा ' का स्त्रीलिंग बहुवचन लिखिए ।
6. ' गोठ ' संज्ञा का नाम धातु रूप लिखिए ।
7. ' चुभुक ' का हिंदी अर्थ क्या है ?
8. ' मंझनियॉ ' कालवाचक क्रिया विशेषण का हिंदी अर्थ लिखिए ।

खण्ड—ब

9. पूर्वी हिंदी से विकसित बोलियों का संक्षिप्त परिचय दीजिए।
10. ' कुरूख ' बोली का परिचय दीजिए ।
11. दक्षिणी छत्तीसगढ़ी का विस्तार–क्षेत्र लिखिए।
12. छत्तीसगढ़ी के व्यक्तिवाचक संज्ञा लिखिए ।
13. समुच्चय बोधक किसे कहते है ? कोई पॉच उदाहरण दीजिए ।
14. छत्तीसगढ़ी में अभिधा शब्द–शक्ति समझाइए ।

सत्रीय कार्य– 2

(Assignment—2)

खण्ड—स

15. डॉ. नरेन्द्र देव वर्मा ने जाति एवं भौगोलिक आधार पर किन दस बोलियों को चिन्हांकित किया है ?
16. छत्तीसगढ़ की सामाजिक संरचना को रेखांकित कीजिए ।
17. छत्तीसगढ़ी में कारकों की विभक्तियॉ लिखिए ।
18. छत्तीसगढ़ी में वचन को उदाहरण सहित समझाइए ।

सत्रीय कार्य– 3

(Assignment—3)

खण्ड—द

19. **छत्तीसगढी में सर्वनामों को उदाहरण सहित लिखिए ।**
20. छत्तीसगढ़ी के क्रिया विशेषण को समझाइए ।
21. छत्तीसगढ़ी के प्रत्यय को उदाहरण सहित समझाइए ।
22. छत्तीसगढ़ी के क्रिया रूप को लिखिए ।

सत्रीय कार्य– 4

(Assignment—4)

खण्ड—इ

23. भारतीय आर्य भाषा के विकास को बताते हुए छत्तीसगढ़ी के विस्तार को लिखिए ।
24. छत्तीसगढ़ी ध्वनि–समूह को स्वर एवं व्यंजन तालिका सहित समझाइए ।

आवश्यक निर्देश :–

1. सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 28 फरवरी 2025 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।
2. छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।
3. सत्रांत परीक्षा सत्र जुन–जुलाई 2024–25 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जुन–जुलाई 2024–25 जैसा ही रहेगा।
4. सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।

K-253

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य(Assignment Work)सत्र – जुलाई–जुन 2024–25

एम.ए. प्रथम वर्ष छत्तीसगढ़ी

विषय –छत्तीसगढ़ी व्याकरण **प्रश्न–पत्रः तृतीय**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 10**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

सत्रीय कार्य–1

खण्ड अ– अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब –अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

सत्रीय कार्य–2

खण्ड स –लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

सत्रीय कार्य–3

खण्ड द –अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

सत्रीय कार्य–4

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

सत्रीय कार्य– 1

(Assignment—1)

खण्ड—अ

1. रामायण, महाभारत, गीता में कौन–सी संज्ञा है ?
2. ओमन कहॉ जावत है ? में कौन–सा पुरूष है ?
3. एहा पुराना पेन्ट आय। में कौन सा विशेषण है ?
4. छत्तीसगढ़ी भाषा में मूलरूप से कितने सर्वनाम हैं ?
5. ' मॅय लिखेंव ' किस काल का वाक्य है ?
6. शब्दों के मुख्यतः कितने भेद हैं ?
7. ' दो पैरो में चलने वाला मनुष्य ' वाक्य का सामसिक शब्द क्या है ?
8. लेखक अपने लिए जिन सर्वनाम शब्दो का प्रयोग करता है उसे क्या कहते है ?

खण्ड—ब

9. निम्न शब्दों से भाववाचक संज्ञा बनाएं।
   लड़का , लोहा , तेल ,
10. उत्तम पुरूष किस वक्ता को कहते हैं ?
11. निपात की परिभाषा लिखिए ?
12. ईया प्रत्यय से बनने वाले कोई चार स्त्रीलिंग शब्द लिखिए।
13. द्विरूक्ति शब्दो को बहुवचन लगाएं–
    छेरी–छेरी , लइके–लइका , टूरी–टूरी ।
14. विभक्ति का संबंध किससे होता है।

सत्रीय कार्य– 2

(Assignment—2)

खण्ड—स

15. छत्तीसगढ़ी में कितने लिंग भेद माने गए हैं ?
16. वचन का अभिप्राय किससे है ?
17. वाच्य कितने प्रकार के हैं, उदाहरण सहित लिखिए।
18. व्युत्पत्ति के अनुसार शब्दों के कितने प्रकार है ?

सत्रीय कार्य– 3

(Assignment—3)

खण्ड—द

19. **कथन की विभक्तियों को एकवचन और बहुवचन छत्तीसगढ़ी विभक्तियों में परिवर्तित कीजिए ।**
20. रचना की दृष्टि से क्रिया के कितने भेद हैं।
21. छत्तीसगढ़ी के बलवाची तध्दित प्रत्यय किसे कहते है ? स्पष्ट करें।
22. **छत्तीसगढ़ी के विराम चिन्हों के प्रकारों को उदाहरण सहित स्पष्ट करें।**

सत्रीय कार्य– 4

(Assignment—4)

खण्ड—इ

23. समास के प्रकारों का वर्णन करते हुए उदाहरण सहित उल्लेख कीजिए ।
24. छत्तीसगढ़ी में संधि के विशेष नियम एवं भेद उदाहरण सहित लिखिए ।

आवश्यक निर्देश :–

1. सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 28 फरवरी 2025 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।
2. छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।
3. सत्रांत परीक्षा सत्र जुन–जुलाई 2024–25 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जुन–जुलाई 2024–25 जैसा ही रहेगा।
4. सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।

K-254

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य(Assignment Work)सत्र – जुलाई–जुन 2024–25

एम.ए. प्रथम वर्ष छत्तीसगढी

विषय –छत्तीसगढ़ी काव्य **प्रश्न–पत्रः चतुर्थ**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 10**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

सत्रीय कार्य–1

खण्ड अ– अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब –अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

सत्रीय कार्य–2

खण्ड स –लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

सत्रीय कार्य–3

खण्ड द –अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

सत्रीय कार्य–4

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

सत्रीय कार्य– 1

(Assignment—1)

खण्ड—अ

1. किस कवि को जनकवि कहा गया हैं–
2. ' सुरता ' के रचनाकार का नाम लिखिये–
3. ' मोर संग चलव रे ' किसका गीत है–
4. ' तपत कुरू भाई तपत कुरू ' किसकी रचना है।
5. छत्तीसगढ़ी को राजभाषा का दर्जा कब प्रदान किया गया ।
6. ' छत्तीसगढ़ी काव्य ' के प्रधान संपादक का नाम लिखिये –
7. ' रामबनवास ' किसकी रचना हैं।
8. गुरू का हिन्दी रूप लिखिये।

खण्ड—ब

9. प्रो. रामनारायण शुक्ल ने छत्तीसगढी साहित्य को कितने कालों (भागों) में विभाजित किया हैं–(नाम लिखें)
10. धर्मदास के पदों की विशेषताएँ लिखिये –
11. पं. सुन्दरलाल शर्मा ने कितने ग्रन्थो की रचना की हैं।
12. टिप्पणी लिखिऐ –
    ' लाला जगदलपुरी और हल्बी '
13. सांस्कृतिक मंच में नरेन्द्र देव का योगदान बतलाइये।
14. पर्यावरण (टिप्पणी लिखिए)

सत्रीय कार्य– 2

(Assignment—2)

खण्ड—स

15. छत्तीसगढ़ी दान लीला में श्रंगार–निरूपण–
16. टिप्पणी लिखिये–
    गांधी–गौरा
17. बादर गीत
18. मंचीय कवि और विघाभूषण मिश्र–

सत्रीय कार्य– 3

(Assignment—3)

खण्ड—द

19. संतकाय परम्परा में गुरू का महत्व बतलाइये ।
20. लाला जगदलपुरी की काव्यगत विशेषताएँ।
21. नारायण लाल परमार के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालिए।
22. डॉ निरूपमा षर्मा के साहित्यिक उपादान पर लेख लिखिए।

सत्रीय कार्य– 4

(Assignment—4)

खण्ड—इ

23. छत्तीसगढ़ी दानलीला के भावपक्ष एंव कलापक्ष की विवेचना कीजिए।
24. दानेश्वर शर्मा व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालिए।

आवश्यक निर्देश :–

1. सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 28 फरवरी 2025 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।
2. छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।
3. सत्रांत परीक्षा सत्र जुन–जुलाई 2024–25 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जुन–जुलाई 2024–25 जैसा ही रहेगा।
4. सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।